Scanned with OKEN Scanner

ISBN : 987 - 93 - 83598 - 45 - 8

छुपन छुपाई

- कृतिकार - आचार्य भगवत दुबे
  2672, 'विमल स्मृति', पिसनहारी की मढ़िया के पास, गढ़ा, जबलपुर (म.प्र.)
  पिन - 482003
  मो. - 093006 - 13975

- सर्वाधिकार
  आचार्य भगवत दुबे

- प्रथम संस्करण - 2015
- मूल्य - 150 /-
- प्रकाशन - पाथेय प्रकाशन
  112, सराफा वाई, जबलपुर
- शब्द संयोजन / मुद्रक
  रुचि प्रिंटर्स, जबलपुर

Chhupan Chhupai
by Aacharya Bhagwat Dubey

Scanned with OKEN Scanner

रचना क्रम

1.	आत्म निवेदन	4
2.	नटखट बच्चे	9
3.	छतरी चमकीली	10
4.	छुपन - छुपाई	11
5.	तिरंगा	12
6.	ध्यान लगाकर पढ़ना	13
7.	गिलहरी	14
8.	वर्षा आई	15
9.	जूते	16
10.	मधुर वचन	17
11.	सूर्यास्त	18
12.	यह मौसम ऋतुराज कहाता	19
13.	हे भगवान	20
14.	वायुयान	21
15.	ऋतु वसंत है बड़ी सुहानी	22
16.	सदा राष्ट्र की सेवा करना	23
17.	प्रेम की राह निकालें	24
18.	वर्षा ऋतु	25
19.	जाड़ा	26
20.	ग्रीष्म ऋतु	27
21.	रेल गाड़ी	28
22.	चाँद	29
23.	सदाचार भर लो जीवन में	30
24.	चीटी	31
25.	मोर	32
26.	हमारे गाँव	33
27.	परिवार हमारा	35
28.	चिड़िया घर	36

Scanned with OKEN Scanner

29.	ईश्वर तो होता है एक	37
30.	होते वृक्ष बड़े उपकारी	38
31.	आजादी	39
32.	गणतंत्र दिवस	40
33.	बूँद - बूँद पानी का संचय	41
34.	पहाड़	43
35.	पानी हमें बचाना है	44
36.	मामा	45
37.	दीवाली	46
38.	गाँव शहर हो स्वच्छ हमारा	48
39.	प्यारी मम्मी, पापा प्यारे	49
40.	शरद ऋतु आयी	51
41.	ऐसा हो अपना परिवार	53
42.	वर्षा ऋतु कितनी सुखदाई	55
43.	हिन्दी में कहते गणवेश	56
44.	बीता समय न वापस आये	57
45.	गौ - सेवा से हो कल्याण	59
46.	रखें स्वच्छता का हम ध्यान	61
47.	शाकाहार	63
48.	हों पवित्र आचार - विचार	64
49.	देवतुल्य गुरुदेव हमारे	65
50.	सुन्दर भारत देश हमारा	67
51.	सुन्दर शाला भवन हमारा	69
52.	घमण्ड न करना	71
53.	ये जंगल हैं मंगलकारी	73
54.	आता होली का त्यौहार	75
55.	भीषण गर्मी के दिन आये	77
56	नशा मुक्ति	79
57.	टी.वी. से हम ज्ञान बढ़ायें	80

Scanned with OKEN Scanner

वर्षा आयी

बाद ग्रीष्म के वर्षा आये
माटी की खुशबू महकाये
पानी की बूँदें जब झरतीं
मन - प्राणों को शीलत करतीं
फुदक - फुदक नाचे गौरइया
वर्षा आयी ता - ता थैया
बच्चे होकर फिरें उघारे
खुश मानव पशु पक्षी सारे
भरते पोखर ताल तलइयां
भैसें झूमें, भागें गइयां
रात - रात भर झींगुर गाते
मस्ती में मेंढक टर्राते
धरती हरी - भरी हो जाती
मका, ज्वार, धानें लहराती

Scanned with OKEN Scanner

ये जंगल हैं मंगलकारी

जहाँ घने होते हैं जंगल
वहाँ न होता कभी अमंगल
इन्हें काटकर पाप न करना
इनसे ही धरती पर मंगल
लाखों वृक्ष जहाँ होते हैं
ऊंचे - ऊंचे कई जाति के
चीतल, भालू, शेर, हिरण पशु
वहीं रहें नाना प्रजाति के
पाकर जंगल की शीतलता
बादल वर्षा करते आकर
घटा देखकर, मोर नाचते
रंग-बिरंगे पंख उठाकर
आम, आँवला, हरड़, बहेड़ा
और कीमती लकड़ी मिलती
कठिन जिन्दगी वन्य जनों की
इन्हीं जंगलों से है खिलती

Scanned with OKEN Scanner

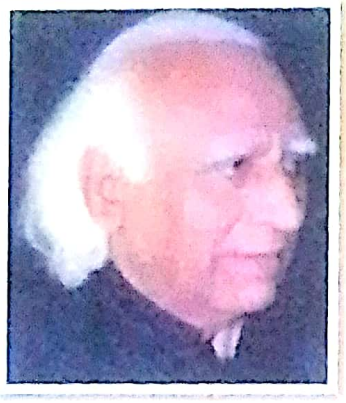

परिचय

आचार्य भगवत दुबे

जन्म –18–8–1943 डगडगा हिनौता, जबलपुर (म.प्र.)

चर्चित महाकाव्य 'दधीचि' के प्रणेता आचार्य भगवत दुबे समकालीन हिन्दी साहित्य में छान्दस कविता के सशक्त हस्ताक्षर, ख्यातिलब्ध दोहाकार, आंचलिक शैली के चर्चित कहानीकार, हिन्दी के बेहद कामयाब गजलकार, गीतकार/नवगीतकार, बालगीतकार हायकु एवं जनक छनद के मर्मज्ञ शिल्पकार हैं ।

प्रकाशित कृतियां –

1. स्मृति गंधा (गीत संग्रह) 2. अक्षरमंत्र (साक्षरता गीत – संग्रह) 3. शब्दों के संवाद (दोहा संग्रह) 4. हरीतिमा (पर्यावरण पर केन्द्रित) 5.रक्षाकवच (स्वास्थ्य शिक्षा पर केन्द्रित) 6. संकल्परथी (वनवासी एवं ग्राम्य जीवन पर केन्द्रित) 7. वजे नगाड़े काल के (जबलपुर की भूकम्प त्रासदी पर केन्द्रित) 8. वनपाँखी (जल, जंगल, जमीन, लोक संस्कृति, पर्यावरण विषयक) 9. 'दधीचि' महाकाव्य (महर्षि दधीचि के आत्मोत्सर्ग पर केन्द्रित) 10. जियो और जीने दो (मानवाधिकार पर केन्द्रित) 11. विष कन्या (मद्य निषेध विषयक गीत संग्रह) 12. शंखनाद (राष्ट्रीय गीत संग्रह) 13. चुभन (हिन्दी गजल संग्रह) 14. दूल्हादेव (कहानी संग्रह) 15. प्रणय ऋचाऐं (गीत संग्रह) 16. काँटे हुए करीट (गीत संग्रह) 17. करुणा यज्ञ (जीव दया पर केन्द्रित) 18. शब्द विहंग (दोहा संग्रह) 19. कसक (गजल संग्रह) 20. हिन्दी तुझे प्रणाम (दोहा संग्रह) 21. शिकन (गजल संग्रह) 22. हिरण सुगंधों के (नवगीत संग्रह) 23. घुटन (गजल संग्रह) 24. हम जंगल के अमलतास (नवगीत संग्रह) 25. अक्कड़–बक्कड़ (बाल गीत संग्रह) 26. अटकन – चटकन (बाल गीत संग्रह) 27. सांई की लीला अपार (भक्ति काव्य) 28. माँ ममता की मूर्ति 29. जनक छन्द की छवि –छटा 30. हायकु रत्न 31. गीत स्वाभिमान के (बालगीत एवं किशोर काव्य) 32. फागों में लोक रंग 33. तांका बांका छन्द है 34. गौरव पुत्र 35. चिंतन के चौपाल 36. सांसों के संतूर

डॉ. राजकुमार 'सुमित्र'
112, सराफा, जबलपुर (म.प्र.)
मो. 9300613975

Scanned with OKEN Scanner